NEWS CLIPPING:28.02.2023

THE IMPRESSIVE TIMES

JC Bose University receives prestigious PURSE Grant

VICE-CHANCELLOR PROF. SUSHIL KUMAR TOMAR SAID THAT THE SELECTION OF JC BOSE UNIVERSITY FOR SUCH A PRESTIGIOUS AND HIGHLY-COMPETITIVE PURSE GRANT IS A PROUD MOMENT FOR THE UNIVERSITY.

Deepti Arora
info@impressivetimes.com

FARIDABAD : 'JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad has been awarded a distinguished research grant of Rs. 7 crores under the Promotion of University Research and Scientific Excellence (PURSE) program of the Department of Science and Technology (DST), Government of India. The funds under the PURSE scheme are granted to selected Universities across the country based on the research proposal for improving research infrastructure for scientific development. It is an incentive award scheme that focuses on the rejuvenation of research in the University sector. Expressing pleasure over receiving the prestigious grant, Vice-Chancellor Prof. Sushil Kumar Tomar said that the selection of JC Bose University for such a prestigious and highly-competitive PURSE grant is a proud moment for the University. It is a recognition and reflection of the high standard of quality teaching and research being carried out at the University. Prof. Tomar congratulated the PURSE Coordinator Dr. Ravi Kumar and Co-coordinators Dr. Parmod Kumar, Dr. Suraj Goyal, Dr. Somvir, Dr. Deepansh Sharma, and other members Dr. Shruti Mittal, and Dr. Parul Gupta for their hard work and success. Vice-Chancellor said that the promotion of Research is one of the topmost priorities of the University. The University has taken a series of steps to develop a research ecosystem in the University which include the constitution of the Research Advisory Council.

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING:28.02.2023

AAJ SAMAJ

कार्य योजना विश्वविद्यालय को उन्नत शोध सुविधाएं विकसित करने के लिए मिलेंगे 7 करोड़ रुपए

'पर्स' अनुदान से जेसी बोस विवि में शोध सुविधाएं होंगी उन्नत

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद का चयन केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की प्रतिष्ठित हाविश्वविद्यालय अनुसंधान एवं वैज्ञानिक उत्कृष्टता संवर्धन (पर्स) योजना के अंतर्गत हुआ है, तथा अनुदान योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय को अनुसंधान की ढांचागत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 7 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त होगा। पर्स योजना के अंतर्गत देश के चुनिंदा विश्वविद्यालयों को वैज्ञानिक विकास के लिए अपने अनुसंधान ढांचे में सुधार के लिए अनुदान दिया जाता है। विश्वविद्यालय को दी जाने वाली यह एक प्रोत्साहन अनुदान योजना है जोकि विश्वविद्यालयों की शोध व्यवस्था में सुधार को लेकर केन्द्रित है।

विश्वविद्यालय का चयन केन्द्र की प्रतिष्ठित अनुदान योजना के अंतर्गत होने पर प्रसन्नता जताते हुए कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि इस प्रकार के प्रतिष्ठित एवं प्रतिस्पर्धी अनुदान के लिए जेसी बोस विश्वविद्यालय का चयन के लिए गर्व का विषय है जोकि विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षण और अनुसंधान में किये जा रहे गुणवत्तापूर्ण कार्यों को दशार्ता है। प्रो. तोमर ने पर्स अनुदान के लिए प्रयासरत टीम के समन्वयक डॉ. रवि कुमार और सह-समन्वयक डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. सूरज गोयल, डॉ. सोमवीर, डॉ. दीपांश शर्मा और अन्य सदस्यों डॉ. श्रुति मित्तल, और डॉ. पारुल गुप्ता को उनकी कड़ी मेहनत और सफलता के लिए बधाई दी है। कुलपति ने कहा कि अनुसंधान को बढ़ावा देना विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने पर्स अनुदान के लिए विश्वविद्यालय का चयन करने के लिए केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को भी धन्यवाद दिया है। कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने भी टीम के सदस्यों को बधाई भी दी है। इस अवसर पर डीन (संस्थान) प्रो. संदीप ग्रोवर और निदेशक (आर एंड डी) प्रो. नरेश चौहान भी उपस्थित थे। डॉ. रवि कुमार ने विश्वविद्यालय के लिए अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने में सफलता का श्रेय कुलपति प्रो. तोमर को देते हुए उनके सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए उनका आभार जताया।

उन्होंने कहा कि इस अनुदान का उपयोग उन्नत शोध उपकरणों एवं सुविधाओं पर किया जाएगा, जिससे विश्वविद्यालय में अनुसंधान का समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र विकसित होगा।

स्वीकृत प्रस्ताव कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर को सौंपते डॉ. रवि कुमार।

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING:28.02.2023

PUNJAB KESARI

'पर्स' अनुदान से जेसी बोस वि.वि में शोध सुविधाएं होगी उन्नत

विश्वविद्यालय को उन्नत शोध सुविधाएं विकसित करने के लिए मिलेंगे 7 करोड़

फरीदाबाद, 27 फरवरी, (पूजा/सूरजमल): जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद का चयन केन्द्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की प्रतिष्ठित 'विश्वविद्यालय अनुसंधान एवं वैज्ञानिक उत्कृष्टता संवर्धन' (पर्स) योजना के अंतर्गत हुआ है, तथा अनुदान योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय को अनुसंधान की ढांचागत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 7 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त होगा। पर्स योजना के अंतर्गत देश के चुनिंदा विश्वविद्यालयों को वैज्ञानिक विकास के लिए अपने अनुसंधान ढांचे में सुधार के लिए अनुदान दिया जाता है। विश्वविद्यालय को दी जाने वाली यह एक प्रोत्साहन अनुदान योजना है जोकि विश्वविद्यालयों की शोध व्यवस्था में सुधार को लेकर केंन्द्रित है। विश्वविद्यालय का चयन केन्द्र की प्रतिष्ठित अनुदान योजना के अंतर्गत होने पर प्रसन्नता जताते हुए कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि इस प्रकार के प्रतिष्ठित एवं प्रतिस्पर्धी अनुदान के लिए जे.सी. बोस विश्वविद्यालय का चयन के लिए गर्व का विषय है जोकि विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षण और अनुसंधान में किये जा रहे गुणवत्तापूर्ण कार्यों को दर्शाता है। प्रो. तोमर ने पर्स अनुदान के लिए प्रयासरत टीम के समन्वयक डॉ. रवि कुमार और सह-समन्वयक डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. सूरज गोयल, डॉ. सोमवीर, डॉ. दीपांश शर्मा और अन्य सदस्यों डॉ. श्रुति मित्तल, और डॉ. पारुल गुप्ता को उनकी कड़ी मेहनत और सफलता के लिए बधाई दी है। कुलपति ने कहा कि अनुसंधान को बढ़ावा देना विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। विश्वविद्यालय द्वारा अनुसंधान सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं जिसमें अनुसंधान सलाहकार परिषद का गठन, गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य के लिए नकद पुरस्कार, और युवा शोधकर्ताओं के लिए सीड मनी का प्रावधान जैसी पहल शामिल हैं। उन्होंने पर्स अनुदान के लिए विश्वविद्यालय का चयन करने के लिए केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को भी धन्यवाद दिया है। कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने भी टीम के सदस्यों को बधाई भी दी है। इस अवसर पर डीन (संस्थान) प्रो. संदीप ग्रोवर और निदेशक (आर एंड डी) प्रो. नरेश चौहान भी उपस्थित थे।

डॉ. रवि कुमार ने विश्वविद्यालय के लिए अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने में सफलता का श्रेय कुलपति प्रो. तोमर को देते हुए उनके सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि इस अनुदान का उपयोग उन्नत शोध उपकरणों एवं सुविधाओं पर किया जायेगा, जिससे विश्वविद्यालय में अनुसंधान का समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र विकसित होगा।

पर्स अनुदान का स्वीकृत प्रस्ताव कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर को सौंपते हुए डॉ. रवि कुमार। *(छाया: एस शर्मा)*

NEWS CLIPPING:28.02.2023

NAVBHARAT TIMES

यशिता ने प्रतियोगिता में जीता पुरस्कार

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : JC बोस यूनिवर्सिटी के संचार व मीडिया तकनीकी विभाग के छात्रों ने आर्य पीजी कॉलेज पानीपत में हुए नैशनल लेवल मीडिया फेस्टिवल में हिस्सा लिया। विभाग के अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह ने बताया कि इस फेस्टिवल में यूनिवर्सिटी की तरफ से सात छात्रों ने कुल आठ इवेंट में हिस्सा लिया। रेडियो जॉकी इवेंट में BA JMC सेकंड ईयर की छात्रा यशिता नागपाल ने दूसरा स्थान प्राप्त किया।

NEWS CLIPPING:28.02.2023

PIONEER

'पर्स' अनुदान से जेसी बोस में शोध सुविधाएं होंगी उन्नत

विश्वविद्यालय को उन्नत शोध सुविधाएं विकसित करने के लिए मिलेंगे 7 करोड़ रुपये

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद का चयन केन्द्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की प्रतिष्ठित 'विश्वविद्यालय अनुसंधान एवं वैज्ञानिक उत्कृष्टता संवर्धन' (पर्स) योजना के अंतर्गत हुआ है, तथा अनुदान योजना के अंतर्गत विश्वविद्यालय को अनुसंधान की ढांचागत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए 7 करोड़ का अनुदान प्राप्त होगा।

पर्स योजना के अंतर्गत देश के चुनिंदा विश्वविद्यालयों को वैज्ञानिक विकास के लिए अपने अनुसंधान ढांचे में सुधार के लिए अनुदान दिया जाता है। विश्वविद्यालय को दी जाने वाली यह एक प्रोत्साहन अनुदान योजना है जोकि विश्वविद्यालयों की शोध व्यवस्था में सुधार को लेकर केंन्द्रित है। विश्वविद्यालय का चयन केन्द्र की प्रतिष्ठित अनुदान योजना के अंतर्गत होने पर प्रसन्नता जताते हुए कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि इस प्रकार के प्रतिष्ठित एवं प्रतिस्पर्धी अनुदान के लिए जेसी बोस विश्वविद्यालय का चयन के लिए गर्व का विषय है। जो कि विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षण और अनुसंधान में किये जा रहे गुणवत्तापूर्ण कार्यों को दर्शाता है। प्रो. तोमर ने पर्स अनुदान के लिए प्रयासरत टीम के समन्वयक डॉ. रवि कुमार और सह-समन्वयक डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. सूरज गोयल, डॉ. सोमवीर, डॉ. दीपांश शर्मा और अन्य सदस्यों डॉ. श्रुति मित्तल, और डॉ. पारुल गुप्ता को उनकी कड़ी मेहनत और सफलता के लिए बधाई दी है। कुलपति ने कहा कि अनुसंधान को बढ़ावा देना विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। विश्वविद्यालय द्वारा अनुसंधान सहयोगी पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। जिसमें अनुसंधान सलाहकार परिषद का गठन, गुणवत्तापूर्ण शोध कार्य के लिए नकद पुरस्कार, और युवा शोधकर्ताओं के लिए सीड मनी का प्रावधान जैसी पहल शामिल हैं। उन्होंने पर्स अनुदान के लिए विश्वविद्यालय का चयन करने के लिए केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को भी धन्यवाद दिया है। कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने भी टीम के सदस्यों को बधाई भी दी है। इस अवसर पर डीन (संस्थान) प्रो. संदीप ग्रोवर और निदेशक (आर एंड डी) प्रो. नरेश चौहान भी उपस्थित थे। डॉ. रवि कुमार ने विश्वविद्यालय के लिए अनुसंधान अनुदान प्राप्त करने में सफलता का श्रेय कुलपति प्रो. तोमर को देते हुए उनके सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए उनका आभार जताया।

पर्स अनुदान का स्वीकृति प्रस्ताव कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर को सौंपते हुए डॉ. रवि कुमार।

GOLDEN JUBILEE YEAR (1969-2019)

NEWS CLIPPING:28.02.2023

HINDUSTAN

वाईएमसीए को अनुदान मिला

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए का चयन केन्द्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की ओर से प्रतिष्ठित 'विश्वविद्यालय अनुसंधान एवं वैज्ञानिक उत्कृष्टता संवर्धन' (पर्स) योजना के तहत हुआ है। इसके बाद विश्वविद्यालय को अनुसंधान के मूलभूत व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए 7 करोड़ का अनुदान दिया जाएगा।

NEWS CLIPPING:28.02.2023

AMAR UJALA

जेसी बोस को अनुसंधान के लिए मिले 7 करोड़

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में अनुसंधान को मजबूत करने के लिए 7 करोड़ रुपये का अनुदान मिला। इसका चयन केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की 'विश्वविद्यालय अनुसंधान एवं वैज्ञानिक उत्कृष्टता संवर्धन' (पर्स) योजना के अंतर्गत हुआ है।

पर्स योजना के तहत चुने गए विश्वविद्यालयों को वैज्ञानिक विकास के लिए अपने अनुसंधान ढांचे में सुधार के लिए अनुदान दिया जाता है। जेसी बोस को यह प्रोत्साहन अनुदान विश्वविद्यालयों की शोध व्यवस्था में सुधार के लिए दिया गया है। विश्वविद्यालय कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि प्रतिष्ठित एवं प्रतिस्पर्धी अनुदान मिलना गर्व का विषय है। संवाद

NEWS CLIPPING:28.02.2023

NAVBHARAT TIMES

सुविधाएं विकसित करने के लिए मिला पैसा

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी का चुनाव डिपार्टमेंट ऑफ साइंस एंड टेक्नॉलजी (DST) की विश्वविद्यालय अनुसंधान व वैज्ञानिक उत्कृष्टता संवर्धन योजना के तहत हुआ है। इसके तहत यूनिवर्सिटी को रिसर्च व उन्नत सुविधाएं विकसित करने के लिए 7 करोड़ रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ है। इस योजना के तहत देश की चुनिंदा यूनिवर्सिटी को अनुदान दिया जाता है। कुलपति प्रो. सुशील कुमार तोमर ने कहा कि यह गर्व का विषय है। उन्होंने अनुदान के लिए प्रयासरत टीम के समन्वयक डॉ.रवि कुमार, सह-समन्वयक डॉ.प्रमोद कुमार, डॉ.सूरज गोयल, डॉ.सोमवीर, डॉ.दीपांश शर्मा व अन्य सदस्यों डॉ.श्रुति मित्तल, डॉ.पारुल गुप्ता को बधाई दी।